University in News on 03 March 2024

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

अनुदानित कॉलेजों में शुरू होंगे 10 से ज्यादा नए कोर्स

परंपरागत के साथ ही प्रोफेशनल पाठ्यक्रमों में होंगे दाखिले

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। राजधानी के अनुदानित महाविद्यालयों ने अगले सत्र के दाखिलों के लिए तैयारी शुरू कर दी है। अनुदानित महाविद्यालय पुराने पाठ्यक्रमों के साथ ही इस साल 10 से ज्यादा नए पाठ्यक्रमों में दाखिले लेंगे। इनमें से कई को लविवि से मान्यता मिल चुकी है तो कई की प्रक्रिया जारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के पास नए पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने की अंतिम तारीख 15 फरवरी निर्धारित थी। स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के साथ ही अनुदानित कॉलेजों ने भी इसके लिए आवेदन किया है। इनमें से कई कॉलेज ऐसे हैं जिनको बीते साल ही नए कोर्स की मान्यता मिली थी, लेकिन शिक्षक व अनुमोदन पत्र जारी होने में देरी की वजह से वे अपने यहां दाखिले नहीं कर पाए थे। ऐसे में इस साल उनके यहां पहली बार उन संबंधित कोर्स में दाखिले शुरू होंगे।

लविवि में मार्च के आखिर में शुरू होगी प्रक्रिया

- लखनऊ विश्वविद्यालय में इस समय शैक्षिक सत्र 2023-24 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया जारी है। इसके साथ ही सत्र 2024-25 के लिए स्नातक और अन्य पाठ्यक्रमों में दाखिले की तैयारी हो रही है। लविवि के प्रवेश समन्वयक के अनुसार मार्च के अंत में स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन फॉर्म जारी किया जाएगा।

पीएचडी के 14 पाठ्यक्रमों की प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी

- लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की पीएचडी प्रवेश परीक्षा के 14 विषयों का रिजल्ट विवि की वेबसाइट पर जारी कर दिया गया है। इसमें साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची अपलोड की गई है। साक्षात्कार की तारीख विभागवार जारी की जाएगी। प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी होने वाले विषय हैं- पॉलिटिकल साइंस, बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, इंग्लिश, गणित, भूगोल, फिजिकल एजुकेशन, होम साइंस, सांख्यिकी, जूलॉजी, पत्रकारिता एवं जनसंचार, बायोकेमिस्ट्री, मानवशास्त्र और पब्लिक पॉलिसी एंड गवर्नेंस।

प्रमुख कॉलेज और उनमें प्रस्तावित पाठ्यक्रम

- **शिया पीजी कॉलेज**- एमए शिक्षाशास्त्र, एमए इतिहास, एमए राजनीतिशास्त्र, बीजेएमसी, एलएलबी ऑनर्स।
- **नवयुग कन्या महाविद्यालय**- एमए अर्थशास्त्र।
- **नगर निगम डिग्री कॉलेज**- एमकॉम कॉमर्स, एमए एजुकेशन, एमए राजनीतिशास्त्र तथा स्नातक में मानवशास्त्र, सोशलवर्क तथा सोश्योलॉजी।
- **महामाया राजकीय डिग्री कॉलेज**- एमए दर्शनशास्त्र।

मेधावी छात्र परिषद के साथ की चर्चा

लखनऊ। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक राय ने शनिवार को मेधावी छात्र परिषद के साथ चर्चा की। इसमें उन्होंने विद्यार्थियों के साथ नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को लेकर बातचीत की। (माई सिटी रिपोर्टर)

माया को पार करना अद्वैत वेदांत का लक्ष्य

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को संगोष्ठी की शृंखला में थाईलैंड के हियु ने अद्वैत वेदांत में माया की अवधारणा पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि माया को पार करना ही अद्वैत वेदांत का लक्ष्य है। हियु ने कहा कि अद्वैत वेदांत का लक्ष्य आत्मा और ब्रह्म के बीच गैर-द्वैत (अद्वैत) के अंतिम सत्य का अहसास करना भी है। इस मौके पर एचओडी डॉ. रजनी श्रीवास्तव, प्रो. राकेश चंद्रा, डॉ. राजेंद्र वर्मा और डॉ. प्रशांत शुक्ला उपस्थित रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

'डोगरा कास्टिंग विधि' कार्यशाला शुरू

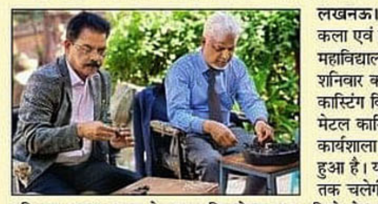

लखनऊ। लविवि के कला एवं शिल्प महाविद्यालय में शनिवार को 'डोगरा कास्टिंग विधि' से मेटल कास्टिंग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ है। यह 10 मार्च तक चलेगी। कार्यशाला प्रशिक्षक अजय कुमार ने बताया कि डोगरा कला, जिसे ढोकरा कला, डोगरा कला, घड़वा कला आदि के नाम से भी जाना जाता है, भारत में कारीगरों द्वारा सदियों से प्रचलित एक पारंपरिक धातु ढलाई तकनीक है। इसका संबंध सिंधु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो की नर्तकी से है। यह छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में प्रचलित एक भारतीय पद्धति है। यह कला भारत भर के विभिन्न समुदायों में उनकी परंपरा और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए जानी जाती है। डीन फाइन आर्ट्स डॉ. रतन कुमार व आयोजक आलोक कुमार आदि मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

LU: पीएचडी प्रवेश के 12 विषयों के नतीजे जारी

एनबीटी सं., लखनऊः एलयू ने 12 विषयों की पीएचडी प्रवेश परीक्षा के नतीजे जारी कर दिए हैं। एन्सिएंट इंडियन हिस्ट्री एंड ऑर्कियॉलजी, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, अरेबिक, बॉटनी, केमिस्ट्री, कॉमर्स, एजुकेशन, जियॉलजी, ओरियंटल संस्कृत, फिजिक्स, संस्कृत और सोशियॉलजी की पीएचडी प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट अभ्यर्थी वेबसाइट पर देख सकते हैं। इन विषयों की प्रवेश परीक्षा 24 और 25 फरवरी को हुई थी। एलयू प्रवक्ता प्रो.दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि साक्षात्कार की तारीख जल्द जारी की जाएगी।

LU: बीटेक, एमए और एमएससी के रिजल्ट जारी

एनबीटी सं., लखनऊः एलयू में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत कई विषयों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। स्टूडेंट एलयू की वेबसाइट पर रिजल्ट देख सकते हैं। एलयू में स्नातक व परास्नातक स्तर और डिप्लोमा के कई पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल का ऐलान किया गया है। जिसमें बीटेक, एमए, एमएससी और पीजी डिप्लोमा के विषय शामिल हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने आदेश जारी कर दिया है।

स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की मांग

एनबीटी संवाददाता, लखनऊः एलयू वीसी प्रो. आलोक राय ने शनिवार को यूनिवर्सिटी मेरिटोरियस काउंसिल (एलयू-एमएससी) के साथ कॉफी विद वीसी कार्यक्रम के तहत कई अहम विषयों को लेकर कॉफी पर चर्चा की। इस दौरान स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की मांग स्टूडेंट्स ने की। इस दौरान एलयू-एमएससी ने वीसी से एनईपी-2020 के सम्बंध में बात की। स्टूडेंट्स ने वीसी के सामने डीन एकेडमिक्स के साथ वार्ता कराने की मांग रखी। स्टूडेंट्स ने मांग की है कि वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट में वृद्धि की जाए।

HINDUSTAN PAGE 8

पीएचडी समेत कई रिजल्ट जारी

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में पीएचडी प्रवेश परीक्षा में 12 अन्य विषयों के नतीजे जारी कर दिए गए हैं। एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर अभ्यर्थी नतीजे देख सकते हैं। किसी अभ्यर्थी को कोई समस्या है तो प्रवेश प्रकोष्ठ से सम्पर्क कर सकेंगे।

एलयू प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2023-24 की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 24 और 25 फरवरी को दोनों परिसरों में आयोजित की गई थी। प्रवेश परीक्षा क्वालिफाई करने वाले अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। प्रो. श्रीवास्तव का कहना है कि प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, अरेबिक, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, वाणिज्य, शिक्षाशास्त्र, भूगर्भ विज्ञान, प्राच्य संस्कृत, संस्कृत और समाजशास्त्र का रिजल्ट घोषित किया गया है। अब तक कुल 26 विषयों के परीक्षाफल जारी किए जा चुके हैं। अभ्यर्थी वेबसाइट पर देख सकते हैं। उन्होंने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की तिथि जल्द ही जारी की जाएगी।

एलयू में शनिवार को कुलपति ने मेधावी छात्र परिषद के संग कई मुद्दों पर बात की।

विद्यार्थी वेबसाइट पर देख सकते हैं परिणाम

लखनऊ विश्वविद्यालय में विषम सेमेस्टर परीक्षा-2023 के तहत कई विषयों के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। परीक्षार्थी एलयू की वेबसाइट पर नतीजे देख सकते हैं। एलयू में स्नातक व परास्नातक स्तर और डिप्लोमा के कई पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल का ऐलान किया गया है। जिसमें बीटेक, एमए, एमएससी और पीजी डिप्लोमा के विषय शामिल हैं। इस संबंध में परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने आदेश जारी कर दिया है। उन्होंने बताया कि बीटेक सिविल, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल, मेकेनिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के सातवें सेमेस्टर का परिणाम जारी किया गया है। इसी तरह एमए लिंग्विस्टिक प्रथम व तृतीय और इकोनॉमिक्स प्रथम सेमेस्टर का नतीजा घोषित हुआ है। पीजी डिप्लोमा इन डिजास्टर रिलीफ एंड रिहैबिलेशन के भी परिणाम जारी हुए। विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत एमएससी फूड प्रोसेसिंग एंड फूड टेक्नोलॉजी, एमएचए और पीजी डिप्लोमा प्रोफिशिएंसी इन अरेबिक के प्रथम सेमेस्टर का परिणाम भी जारी हुआ।

विवि में वालीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट बढ़ेंगे

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने विश्वविद्यालय मेधावी छात्र परिषद (एलयू-एमएससी) के साथ कई अहम विषयों को लेकर कॉफी पर चर्चा की। स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की मांग विद्यार्थियों ने की। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि कॉफी विद वीसी कार्यक्रम के तहत इस चर्चा का आयोजन किया गया। उनका कहना है कि यह कार्यक्रम छात्रों को अपनी समस्यायों को सीधे उन तक पहुंचाने का मौका देता है। इस मौके पर एलयू-एमएससी ने वीसी से एनईपी-2020 के सम्बंध में बात की। छात्रों ने वीसी के सामने अधिष्ठाता अकादमिक के साथ वार्ता कराने की मांग रखी। इसके अलावा एलयू कैंपस में खेल सुविधाओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। छात्रों ने मांग की है कि वॉलीबॉल और बास्केटबॉल कोर्ट में वृद्धि की जाए। वीसी ने स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ाने का आश्वासन दिया। एलयू-एमएससी सदस्यों को विभिन्न विश्वविद्यालय गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने की बात कही।

एलयू की राजनीति दर्शाता उपन्यास

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग की राजनीति, नरेंद्र देव छात्रावास और कैंटीन की कहानियों का जिक्र सीसीयू विश्वविद्यालय के शिक्षक प्रो. विकास शर्मा के उपन्यास मीडिया रिवोल्यूशन 2030 में है। जिसकी कहानी एलयू की राजनीति और भ्रष्टाचार के इर्दगिर्द घूमती है।

प्रोफेसर विकास शर्मा का शनिवार को एक सरकारी कार्यक्रम के लिए लखनऊ आगमन हुआ। यहां उन्होंने अपने 10वें उपन्यास का जिक्र किया। कवि कुमार विश्वास के बड़े भाई प्रो. विकास ने बताया कि उनके उपन्यासों पर पूरे देश में 50 से ज्यादा लोग पीएचडी कर रहे हैं या कर चुके हैं।

DAINIK JAGRAN PAGE 4

शिक्षा, समाजशास्त्र में पीएचडी के लिए सीटों से कई गुणा ज्यादा पास

जासं, लखनऊ: लवि ने शनिवार को पीएच.डी प्रवेश परीक्षा के अंतर्गत 13 और विषयों में सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। फिजिक्स विषय में इस बार रेगुलर की 78 सीटों पर सिर्फ 27 अभ्यर्थी ही साक्षात्कार के लिए सफल हुए हैं। ऐसे में सीटें खाली रह जाएंगी। शिक्षा विषय में 62 सीटों के सापेक्ष 259 और समाज शास्त्र में 51 सीटों पर 247 अभ्यर्थी साक्षात्कार देंगे। प्रवेश समन्वयक प्रोफेसर पंकज माथुर ने बताया कि 13 विषयों में सफल अभ्यर्थी अपना विवरण वेबसाइट https://www.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से देख सकते हैं। अर्ह अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की तिथि जल्द ही जारी की जाएगी। हाल ही में लवि ने 14 विषयों में अभ्यर्थियों की सूची जारी की थी।

सीटों के सापेक्ष सफल अभ्यर्थियों की संख्या प्राचीन भारतीय इतिहास एवं पुरातत्व में 50 सीटों पर 72, अप्लाइड इकोनामिक्स में 24 सीटों पर 65, अरेबिक में पांच सीटों पर सिर्फ छह अभ्यर्थी पास हुए। इसी तरह वनस्पति विज्ञान में 36 सीटों पर 39, केमिस्ट्री 49 पर 67, कामर्स में 53 पर 162, जियोलाजी नौ सीटों पर 20, ओरियंटल संस्कृत में दो सीटों पर चार, फिजिक्स 78 सीटों पर 27, संस्कृत 27 सीटों पर 56 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए।

कालेजों को देने होंगे तीन साल से अनुमोदित शिक्षकों के नाम

लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध सभी कालेजों को अपने यहां कार्यरत तीन वर्षों से अधिक समय से अनुमोदित शिक्षकों का विवरण नाम के साथ www.lko.univ.ac.in पर अपलोड करना होगा। इसके लिए विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, लखीमपुर खीरी व हरदोई जिले के कालेजों के प्राचार्यों को निर्देश जारी कर 22 मार्च तक समय दिया है। दरअसल, बीते फरवरी में लखनऊ विश्वविद्यालय ने सीतापुर के एक सहायता प्राप्त महाविद्यालय की एक ऐसी शिक्षिका को मौखिक परीक्षा लेने के लिए बतौर परीक्षक बना दिया था, जिन्होंने पिछले वर्ष ही एम.एड की परीक्षा पास की है। हालांकि मामला सामने आने के बाद परीक्षा विभाग ने कालेज की गलती बताते हुए परीक्षक का नाम सूची से हटाकर प्राचार्य से स्पष्टीकरण मांगा था। यही वजह है कि इस बार परीक्षकों के चयन में सावधानी बरती जा रही है। कालेजों के तीन साल से अधिक समय से अनुमोदित शिक्षकों को परीक्षक बनाने के लिए सूचना मांगी गई है। कालेज जिन अनुमोदित शिक्षकों के नाम देंगे, उनके विवरण का सत्यापन संबंधित कालेज की लागिन के माध्यम से किया जाएगा। कालेजों को अपने तीन साल से अधिक अनुमोदित वाले शिक्षकों के विवरण में उनका नाम, बीते छह माह का सैलरी स्टेटमेंट, प्राचार्य द्वारा जारी कार्य अनुभव प्रमाण पत्र, आधार एवं पैन नंबर की छायाप्रति देनी होगी। इन प्रपत्रों के साथ अनिवार्य रूप से 22 मार्च तक यह विवरण उपलब्ध कराना होगा।

JAGRAN CITY PAGE III

'लवि में खेल सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत'

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने काफी विथ वीसी पहल के हिस्से के रूप में शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय मेधावी छात्र परिषद (एलयू-एमएससी) के सदस्यों के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने प्रशासन व छात्र समुदाय के बीच की खाई को पाटने, विश्वविद्यालय की विस्तारित शाखा के रूप में एलयू-एमएससी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

कुलपति ने निर्बाध संचार की सुविधा प्रदान करने और छात्रों की चिंताओं को कुशलतापूर्वक बताने के लिए उनके समर्पण भाव की सराहना की। परिषद के सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) के कार्यान्वयन और विकसित पाठ्यक्रम संरचना के संबंध में सवाल उठाते हुए अपनी बात रखी। कुलपति ने इन मुद्दों का निवारण करने और विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए डीन एकेडमिक्स के साथ एक बैठक का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा सदस्यों ने परिसर में खेल सुविधाओं को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशेष रूप से वॉलीबॉल और बास्केटबाल कोर्ट में वृद्धि का अनुरोध किया। कुलपति ने मजबूत खेल बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के महत्व को स्वीकार किया।

लविवि : फिजिक्स में पीएचडी की 78 सीटें, उत्तीर्ण हुए केवल 27

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में इस समय पीएचडी में दाखिले के लिए जोर आजमाइश चल रही है। प्रवेश सेल ने शनिवार को 12 विषयों की प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। ज्यादातर विषयों में सीट के मुकाबले ज्यादा अभ्यर्थी चुने गए हैं। वहीं फिजिक्स की 78 सीटें है लेकिन महज 27 अभ्यर्थी ही सफल हो सके हैं।

लविवि प्रवेश सेल ने शनिवार को एआईएच, एप्लाइड इकनॉमिक्स, अरेबिक, बॉटनी, केमिस्ट्री, कॉमर्स, एजुकेशन, जियोलॉजी, ओरिएंटल संस्कृत, फिजिक्स, संस्कृत और सोश्योलॉजी विषयों के रिजल्ट और साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। जूलॉजी में भी सीट के मुकाबले कम अभ्यर्थी सफल हुए हैं। लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार, बचे हुए पाठ्यक्रमों का रिजल्ट जल्द जारी किया जाएगा।

लविवि : फिजिक्स में पीएचडी की 78 सीटें, उत्तीर्ण हुए केवल 27

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि में इस समय पीएचडी में दाखिले के लिए जोर आजमाइश चल रही है। प्रवेश सेल ने शनिवार को 12 विषयों की प्रवेश परीक्षा का रिजल्ट जारी कर दिया है। ज्यादातर विषयों में सीट के मुकाबले ज्यादा अभ्यर्थी चुने गए हैं। वहीं फिजिक्स की 78 सीटें है लेकिन महज 27 अभ्यर्थी ही सफल हो सके हैं।

लविवि प्रवेश सेल ने शनिवार को एआईएच, एप्लाइड इकनॉमिक्स, अरेबिक, बॉटनी, केमिस्ट्री, कॉमर्स, एजुकेशन, जियोलॉजी, ओरिएंटल संस्कृत, फिजिक्स, संस्कृत और सोश्योलॉजी विषयों के रिजल्ट और साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी है। जूलॉजी में भी सीट के मुकाबले कम अभ्यर्थी सफल हुए हैं। लविवि प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार, बचे हुए पाठ्यक्रमों का रिजल्ट जल्द जारी किया जाएगा।

पूर्वानुमान से बेहतर होगी आपूर्ति शृंखला

लखनऊ। एक निजी कंपनी के सीईओ मनु अग्रवाल ने कहा कि मांग का पूर्वानुमान कुशल आपूर्ति शृंखला प्रबंधन में मदद करता है। वे शनिवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज में हुए कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। मनु अग्रवाल ने कहा कि कुशल आपूर्ति शृंखला प्रबंधन के साथ उत्पाद डिजाइन भी बेहद अहम है। आईएमएस की ओएसडी प्रो. विनीता काचर, सौरव बनर्जी, डॉ. पल्लवी ठाकुर ने दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

LOKSATYA PAGE 3

बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता पर व्याख्यान

लखनऊ, लोकसत्य

प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने आदरणीय कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक प्रोफेसर विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस, लखनऊ विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में आईएमएस के सेमिनार हॉल में तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। मनु अग्रवाल, सीईओ, अल्फासिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने आईएमएस के प्रबंधन छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। मनु अग्रवाल, पूर्व छात्र आईआईटी, कानपुर, विनिर्माण में अनुभव ने विनिर्माण संदर्भ में आपूर्ति श्रृंखला विनिर्माण के बारे में विशेषज्ञ ज्ञान दिया। उन्होंने अनिश्चितता से निपटने के लिए

अनुकूलनीय और संरेखित आपूर्ति श्रृंखला चक्रों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मांग का पूर्वानुमान कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में मदद करता है। कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ उत्पाद डिजाइन संबंध से संबंधित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के कुछ केस अध्ययनों के बारे में बताया। यह सत्र विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में करियर विकास में सहायक है। कार्यक्रम का संचालन सौरव बनर्जी ने किया।

THE PIONEER PAGE 3

LU prof pens book on Modi

PNS ■ LUCKNOW

Professor of economics at Lucknow University, MK Agarwal has authored a book titled 'Modi Empowers Development' on Prime Minister Narendra Modi.

Agarwal explained that the idea for this endeavour stemmed from a lack of authentic research on PM Modi's developmental works, with existing analyses predominantly in fictional or political formats. He emphasised academic perspective in analysing Modi's developmental initiatives through the book.

"Prime Minister Narendra Modi initiated a series of economic, technological, governance, and institutional reforms. The sequencing of these reforms indicates a well-thought-out strategy for efficiency, equity, and sustainability. Although the time frame for these initiatives is not extensive enough for a time series analysis, their magnitude and positive outcomes motivate us to scrutinise the economic strategy of the Modi government since 2014," he said.

Agarwal acknowledged the impossibility of encompassing all initiatives within one volume but affirmed that the book provides a comprehensive picture of the government's success and transformative potential. The book comprises 19 chapters covering various aspects such as constitutional to competitive federalism, inclusive development strategies, fiscal prudence, self-reliant India, connectivity, rural development, health sector, agricultural development, e-governance, tourism development, telecommunications, power, space, Jammu and Kashmir, minorities, north-eastern states, and women empowerment.

Agarwal also raised questions regarding GDP estimation, highlighting instances where strategies aimed at societal well-being might not directly contribute to GDP growth, such as in the health sector. The author said that the book took a couple of years to complete, starting in the late 2020s and concluding in 2022.

While Agarwal emphasised on presenting the book as an academic exercise devoid of political bias, he acknowledged the inherently political nature of economics. He stressed that the analysis was based on facts, figures, and theories.

In a chapter called 'Inclusive Development Strategies of the Modi Government', Agarwal commended the governmen's efforts to uplift the poor since 2014, noting successful achievement of many targets within defined time periods.

AMRIT VICHAR PAGE 4

तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर व्याख्यान आयोजित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

▸▸ लखनऊ विश्व विद्यालय में छात्रों ने साझा किए विचार

अमृत विचार : इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस), लविवि में शनिवार को तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया।

प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय, प्रोफेसर विनीता काचर मार्गदर्शन में आईएमएस के सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। अल्फासिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ मनु अग्रवाल ने आईएमएस के प्रबंधन छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। उन्होंने अनिश्चितता से निपटने के लिए अनुकूल और संरेखित आपूर्ति श्रृंखला चक्रों के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि कैसे मांग का पूर्वानुमान कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में मदद करता है। कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ उत्पाद डिजाइन संबंध से संबंधित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के कुछ केस अध्ययनों के बारे में बताया। यह सत्र विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में करियर विकास में सहायक है।

अद्वैत वेदांत में माया की अवधारणा: हियू

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग में शनिवार को संगोष्ठी में थाईलैंड के वक्ता हियू ने अद्वैत वेदांत में माया की अवधारणा पर विचार प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि अद्वैत वेदांत में माया अवधारणा एक केंद्रीय दार्शनिक अवधारणा है जो वास्तविकता की प्रकृति और व्यक्तिगत स्व (आत्मन) और परम वास्तविकता (ब्राह्मण) के बीच संबंध को संबोधित करती है। अद्वैत वेदांत में, माया को भ्रम या ब्रह्म की शक्ति माना जाता है जो वास्तविकता की वास्तविक प्रकृति पर पर्दा डालती है और व्यक्तियों को दुनिया को ब्रह्म से अलग समझने का कारण बनती है। हियु के अनुसार ब्रह्म परम वास्तविकता है, सभी अस्तित्व का अपरिवर्तनीय, शाश्वत और अविभाज्य सार है। आत्मा, व्यक्तिगत स्व, को ब्रह्म के समान माना जाता है, लेकिन माया के कारण, व्यक्ति खुद को अलग-अलग संस्थाओं के रूप में मानते हैं और दुनिया को वस्तुओं और प्राणियों की बहुलता के रूप में अनुभव करते हैं। सेमिनार में एचओडी डॉ. रजनी श्रीवास्तव, प्रोफेसर राकेश चंद्रा, डॉ. राजेंद्र वर्मा और डॉ. प्रशांत शुक्ला उपस्थित थे।

प्रो. गीतांजलि बनीं एनईपी की समन्वयक

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने जूलाजी विभाग की प्रोफेसर एवं डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा को नई शिक्षा नीति (एनईपी) का समन्वयक नियुक्त किया है। इस पद पर उनका कार्यकाल तीन साल या अन्य कोई आदेश होने तक रहेगा। इस संबंध में कुलसचिव डा. विनोद कुमार सिंह ने पत्र जारी किया है। (जासं)

कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय में 'डोगरा कास्टिंग विधि' से मेटल कास्टिंग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। इसमें बी.वी.ए. स्नातक व एम.वी.ए. स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों ने भी भाग लिया। डीन फाइन आर्ट्स डा. रतन कुमार व कार्यशाला के आयोजक आलोक कुमार ने शुभारंभ किया। इस मौके पर विभाग के सभी शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे ● सौजन्य : लवि

कॉफी विद वीसी में छात्रों ने रखीं समस्याएं

अमृत विचार : लविवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने 'कॉफी विद वीसी' कार्यक्रम में शनिवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी मेरिटोरियस काउंसिल के सदस्यों के साथ बातचीत की। यह कार्यक्रम छात्रों को अपनी चिंताओं एवं समस्याओं को सीधे व्यक्त करने और विश्वविद्यालय नेतृत्व के साथ सार्थक बातचीत में शामिल होने का अधिकार देता है। सत्र के दौरान प्रो. राय ने प्रशासन और छात्र समुदाय के बीच की खाई को पाटने, विश्वविद्यालय की विस्तारित शाखा के रूप में एलयू-एमएससी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने निर्बाध संचार की सुविधा प्रदान करने और छात्रों की चिंताओं को कुशलतापूर्वक बताने के लिए उनके समर्पण भाव की सराहना की। एलयू-एमएससी सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के कार्यान्वयन और विकसित पाठ्यक्रम संरचना के संबंध में सवाल उठाते हुए इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

लविवि ने जारी की पीएचडी की साक्षात्कार सूची

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 की पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत पीएचडी की प्रवेश परीक्षा 24 एवं 25 फरवरी को लखनऊ विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों में हुई थी। उपरोक्त विषयों में साक्षात्कार के लिए अर्ह अभ्यर्थियों की सूची लखनऊ विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जारी की जा रही है। अभ्यर्थी वेबसाइट के एडमिशन पेज के पीएचडी पेज पर जाकर रविवार से सूची देख सकते हैं। अर्ह अभ्यर्थियों के लिए साक्षात्कार की तिथि जल्द ही जारी की जाएगी।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

विधिक सहायता केंद्र लोगों को दे रहा मुफ्त कानूनी सहायता

विधिक साक्षरता शिविर में ग्रामीणों को कानून के प्रति किया जागरूक

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय की प्रतिष्ठित संस्था विधिक सहायता केंद्र व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में विधि संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर डॉ. बीडी सिंह एवं विधिक सहायता केंद्र के अध्यक्ष डॉ.आलोक कुमार यादव के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार को बीकेटी स्थित ग्राम अस्ती में विधिक सहायता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। अनिल कुमार सिंह, निदेशक, महाराणा प्रताप सिंह इंटर कॉलेज ने शिविर में उपस्थित सभी अतिथियों का स्वागत किया। इस शिविर में अतिथि के रुप में उपस्थित डॉ.ओपी यादव, डॉ.आलोक कुमार यादव, सोनल क्षृवास्तव तथा गरिमा, काउंसलर, वन स्टॅाप सेंटर, विष्णु वर्मा, प्रधान अस्ती, आशीष श्रीवास्तव, लेखपाल अस्ति उपस्थित थे। इस दौरान डॉ.ओपी यादव सहायक अभियोजन अधिकारी एवं पैरा लीगल वालंटियर ने सामाजिक न्याय की बात की तथा कानूनी सहायता केंद्र की कार्यप्रणाली के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि कानूनी सहायता केंद्र उन लोगों को मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करता है जिन्हें कानूनी सहायता की आवश्यकता होती है जिससे ग्रामीण

या गरीबी रेखा से नीचे के लोग भी कानूनी सेवाएं ले सकते हैं। इसके पश्चात वन स्टॉप सेंटर से सोनल श्रीवास्तव ने वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले विभिन्न सुविधाओं के बारे में जैसे कि अल्पावास गृह,काउंसलर,प्रशिक्षित नर्स,महिला पुलिस रिपोंटिंग सेंटर आदि के बारे में जानकारी दिया एवं महिला सुरक्षा से जुड़े समाधान के लिए टोल फ्री नंबर 181 पर सूचना देने को कहा। इसके पश्चात आलोक कुमार यादव ने कहा कि हम लोगों से जुड़ने की कोशिश करते हैं। जिससे वे अपनी समस्याएं हमसे साझा करें और हम उनकी मदद कर सकें। इस जागरूकता शिविर की आवश्यकता ग्रामीणों को उन विभिन्न योजनाओं के बारे में बताना है जो ग्रामीण जनता और विशेष रूप से महिलाओं के विकास के लिए बनाई गई हैं। इस मौके पर सरकार द्वारा मुहैया कराई जाने वाली योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया एवं उन्हें किसी भी वक्त यथासंभव विधिक सहायता का आश्वासन दिया। शिविर में ग्रामीणों ने अपनी उपस्थित दर्ज कराई। विधिक सहायता केंद्र के संयोजक रोशनी ठाकुर, वरिष्ठ सदस्य नवदीप, आदित्या, तथा अन्य सदस्य श्वेता,अमन,शिवांगी, अंजसी शिविर के दौरान उपस्थित रहे।

प्रतिभागियों को दिया मूर्ति शिल्प का हुनर

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लविवि में डोगरा कास्टिंग विधि से मेटल कास्टिंग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ है, जोकि 2 से 10 मार्च तक चलेगी। जिसमें बीवीए स्नातक व एमवीए स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया है। डीन फाइन आर्ट्स डॉ.रतन कुमार व कार्यशाला के आयोजक आलोक कुमार ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस मौके पर विभाग के सभी शिक्षक व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यशाला के प्रशिक्षक अजय कुमार ने बताया कि ढोकरा कला, जिसे ढोकरा कला, डोगरा कला, घड़वा कला आदि के नाम से भी जाना जाता है। भारत में कारीगरों द्वारा सदियों से प्रचलित एक पारंपरिक धातु ढलाई तकनीक है। यह कला एक प्राचीन पारंपरिक कला है। इसका संबंध सिंधु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो की नर्तकी से है। यह छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में प्रचलित एक भारतीय पद्धति है। यह कला भारत भर के विभिन्न समुदायों में उनकी परंपरा और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए जानी जाती है। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को ढोकरा कला से जुड़ी तमाम अन्य जानकारी दी गई और मूर्तिशिल्प बनाना भी सिखाया गया।

बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता का बताया महत्व

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज (आईएमएस) और लखनऊ विश्वविद्यालय ने तेजी से बदलती दुनिया में आपूर्ति श्रृंखला उत्कृष्टता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया। प्रबंधन विज्ञान संस्थान ने लविवि के कुलपति प्रो.आलोक कुमार राय, मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक प्रो.विनीता काचर, ओएसडी, आईएमएस, लविवि के मार्गदर्शन में आईएमएस के सेमिनार हॉल में आयोजित कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। मनु अग्रवाल, सीईओ,अल्फासिन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड ने आईएमएस के प्रबंधन छात्रों और संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की। मनु अग्रवाल, पूर्व छात्र आईआईटी, कानपुर, विनिर्माण में अनुभव ने विनिर्माण संदर्भ में आपूर्ति श्रृंखला विनिर्माण के बारे में विशेषज्ञ ज्ञान दिया। उन्होंने अनिश्चितता से निपटने के लिए अनुकूलनीय और संरेखित आपूर्ति श्रृंखला चक्रों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे मांग का पूर्वानुमान कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में मदद करता है। कुशल आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के साथ उत्पाद डिजाइन संबंध से संबंधित आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के कुछ केस अध्ययनों के बारे में बताया। यह सत्र विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन में करियर विकास में सहायक है। कार्यक्रम का संचालन सौरव बनर्जी ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ.पल्लवी ठाकर ने किया।

LOKSATYA PAGE 3

#CoffeeWithVC से मिलता है खुले वार्तालाप को बढ़ावा: राय

कार्यक्रम

- छात्रों को मिलता है अपनी समस्याएं रखने का मौका

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने हाल ही में चल रही #CoffeeWithVC पहल के हिस्से के रूप में लखनऊ यूनिवर्सिटी मेरिटोरियस काउंसिल (LU-MSC) के सदस्यों के साथ एक सार्थक और आकर्षक बातचीत की। प्रोफेसर राय द्वारा संकल्पित #CoffeeWithVC विश्वविद्यालय प्रशासन और उसके छात्रों के बीच खुले वार्तालाप को बढ़ावा देता है।

यह कार्यक्रम छात्रों को अपनी चिंताओं/समस्यायों को सीधे व्यक्त करने और विश्वविद्यालय नेतृत्व के साथ सार्थक बातचीत में शामिल होने का अधिकार देता है। सत्र के दौरान, प्रो. राय ने प्रशासन और छात्र समुदाय के बीच की खाई को पाटने, विश्वविद्यालय की विस्तारित शाखा के रूप में एलयू-एमएससी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने निर्बाध संचार की सुविधा प्रदान करने और छात्रों की चिंताओं को कुशलतापूर्वक बताने के लिए उनके समर्पण भाव की सराहना की। एलयू-एमएससी सदस्यों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी 2020) के कार्यान्वयन और विकसित पाठ्यक्रम संरचना के संबंध में सवाल उठाते हुए इस चर्चा में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उनके आशय को समझते हुए, प्रो. राय ने तुरंत इन विशिष्ट मुद्दों का निवारण करने और विस्तृत जानकारी प्रदान करने के लिए डीन एकेडमिक्स के साथ एक बैठक/वार्तालाप का प्रस्ताव रखा।

'डोगरा कास्टिंग विधि' से मूर्तियां बनानी सीखीं

कार्यशाला

- सभी प्रतिभागियों ने अपने मूर्तिशिल्प बनाने की शुरूआत की

लखनऊ, लोकसत्य

कला एवं शिल्प महाविद्यालय में 'डोगरा कास्टिंग विधि' से मेटल कास्टिंग कार्यशाला का शुभारंभ हुआ है। जो कि 2 मार्च से 10 मार्च तक चलेगी। जिसमें बीवीए स्नातक व एमवीए स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं सहित शिक्षकों ने कार्यशाला में भाग लिया है।

महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. रतन कुमार व कार्यशाला आयोजक आलोक कुमार जी ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस मौके पर विभाग के सभी शिक्षक व छात्र छात्राओं मौजूद रहे। कार्यशाला के प्रशिक्षक अजय कुमार ने बताया कि ढोकरा कला, जिसे ढोकरा कला, डोगरा कला, घड़वा कला आदि के नाम से भी जाना जाता है। भारत में कारीगरों ने सदियों से प्रचलित एक पारंपरिक धातु ढलाई तकनीक है।

यह कला एक प्राचीन पारंपरिक कला है। इसका संबंध सिंधु घाटी सभ्यता के मोहनजोदड़ो की नर्तकी से है। यह छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में प्रचलित एक भारतीय पद्धति है। यह कला भारत भर के विभिन्न समुदायों में उनकी परंपरा और संस्कृति को प्रतिबिंबित करने के लिए जानी जाती है। आदि जानकारी दी एवं मूर्तिशिल्प बनाना भी सिखाया। सभी प्रतिभागियों ने अपने मूर्तिशिल्प को बनाने की शुरुआत की।